महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

(भा.कृ.अनु.प. - कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर)

चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर (उ०प्र०)-273165

अंक – 06 | समाचार – पत्रिका | जून, 2022

सम्पादक मंडल

मुख्य संपादक

डा0 विवेक प्रताप सिंह
(वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष)

संपादक

डा0 अजीत कुमार श्रीवास्तव
(वि.व. वि. – उद्यान)

डा0 राहुल कुमार सिंह
(वि.व. वि. – कृषि प्रसार)

डा0 संदीप प्रकाश उपाध्याय
(वि.व. वि. – मृदा विज्ञान)

श्री अवनीश कुमार सिंह
(वि.व. वि. – सस्य विज्ञान)

श्रीमती श्वेता सिंह
(वि.व. वि. – गृह विज्ञान)

संकलन एवं सहयोग

श्री गौरव कुमार सिंह
(कार्यक्रम सहायक - कम्प्यूटर)

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र,चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर (उ०प्र०) द्वारा प्रकाशित

Email– gorakhpurkvk2@gmail.com

Website – http://www.mgkvk.in/

Facebook- https://www.facebook.com/mgkvk

Twitter – https://www.twitter.com/mgkvk

Youtube – https://www.youtube.com/channel/UCdZ8rAP_lDHeU6Ic5sNNYEw

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र

एक नजर में

कृषि विज्ञान केन्द्र की स्थापना कृषि एवं संबंधित विषयों की नवीनतम तकनीकों के स्थानांतरण एवं प्रसार द्वारा जनपद के सर्वांगीण विकास हेतु गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान के नियंत्रण में गोरक्षपीठाधीश्वर पूजनीय महंत श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज द्वारा की गई। इस केन्द्र का शिलान्यास 23 अक्टूबर 2016 एवं उद्घाटन 2 मार्च 2019 को तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार श्री राधा मोहन सिंह जी के द्वारा किया गया। यह केंद्र भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद – कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान, कानपुर द्वारा वित्तपोषित है। यह केन्द्र गोरखनाथ की पवित्र धरती पर स्थापित होने की वजह से इस केंद्र का पूरा नाम महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र रखा गया। यह केन्द्र गोरखपुर जनपद से 35 किलोमीटर दूरी पर गोरखपुर – सोनौली मार्ग पर पीपीगंज रेलवे स्टेशन से 8 किलोमीटर दूरी पर (अक्षांश 26.929971, देशांतर 83.240244) पीपीगंज – बढ़या चौक मार्ग पर स्थित है। कृषि विज्ञान केन्द्र के पास 20.56 हेक्टेअर का प्रक्षेत्र है जिस पर प्रमुख रुप से गेहूँ, धान, सरसो, चना, तिल, गन्ना, अरहर इत्यादि फसलों का बीज उत्पादन किया जाता हैं।

संदेश

प्रो. उदय प्रताप सिंह
उपाध्यक्ष, प्रबन्ध समिति
गुरु गोरक्षनाथ सेवा संस्थान
गोरखनाथ, गोरखपुर

वर्तमान समय में कृषि उत्पादन लागत को कम करने एवं गुणवत्तायुक्त अधिक उत्पादन प्राप्त करने हेतु यह आवश्यक है कि कृषकों तक नवीनतम कृषि अनुसंधान एवं कृषि तकनीकियों को पहुँचाया जाए। महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौकमाफी, पीपीगंज, गोरखपुर इन नवीनतम तकनीकियों को निरंतर कृषकों तक पहुँचाने में तत्पर हैं जिससे कृषकों का आर्थिक एवं सामाजिक स्तर सुधारा जा सके।

महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा प्रकाशित मासिक न्यूज लैटर का यह अंक केन्द्र द्वारा किए गए एवं किए जाने वाले कार्यों के साथ-साथ नवीनतम कृषि तकनीकियों का प्रसार गांव-गांव एवं घर-घर पहुँचेगा, जो सभी वर्ग के किसानों के लिए लाभप्रद होगा।

(उदय प्रताप सिंह)

महाययोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर द्वारा जून, 2022 में किये गये कार्य

1. प्रशिक्षण कार्यक्रम

फसल/उद्यम का शीर्षक	संख्या	लाभार्थी
क) **कृषक एवं महिला कृषकों हेतु प्रशिक्षण**	**02**	**44**

2. प्रसार गतिविधियां

शीर्षक गतिविधियां	संख्या	लाभार्थी
ख) **वैज्ञानिकों का कृषक प्रक्षेत्र पर भ्रमण**	**4**	**4**

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम

❖ केंद्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय द्वारा दिनांक- 14/06/2022 को किसानो को "विशिष्ट स्थल पोषक तत्व प्रबंधन" विषय पर केंद्र पर प्रशिक्षण दिया गया। इसी के साथ ही साथ कृषक उत्पादन संगठन एवं मृदा जांच आदि पर आवशयक जानकारी दी गयी।

❖ दिनांक 07/06/22 को केंद्र तथा एफ. एम. सी. कंपनी के संयुक्त तत्वाधान कृषि में कीटनाशको व रोगनाशियो के सावधानीपूर्वक उपयोग विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन कराया गया । जिसमे कृषकों को कृषि में बरतने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गयी।

❖ दिनांक 16-17/06/2022 को गौ आधारित प्राकृतिक कृषि विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन कराया गया साथ ही प्रयोगात्मक कार्य कर गौ आधारित उत्पाद जैसे जीवामृत तथा दशपर्णी अर्क बनाये गए।

❖ महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञानं केंद्र पीपीगंज पर दिनांक , 21/06/23 से 2022/ 06/तक महात्मा गाँधी ग्राम 2022 उत्तरप्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति ,स्वरोजगार योजना 2017 के अंतर्गत तिन दिवसीय कादया प्रसंस्करण जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण उपरांत प्रमाण पत्र वितरित किया गया।

❖ दिनांक 2 4/06/22 को केंद्र कि गृह विज्ञानं विशेषज्ञ श्रीमती श्वेता सिंह द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्तियो को कम लागत में " पोषण युक्त आहार तैयार करना" विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। जिसमे आंगनबाड़ी कार्यकर्तियो को पोषक महत्व व कम लागत में पोषणयुक्त व्यंजन बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

❖ दिनांक 25/06/22 को केंद्र कि गृह विज्ञानं विशेषज्ञ श्रीमती श्वेता सिंह द्वारा स्वच्छता कार्यक्रम के तहत स्वछता का कार्य करवाया गया एवम ग्रामीण युवतियों को स्वछता के प्रति जागरूक किया गया।

❖ दिनांक 27/06/2022 को केंद्र, एपीडा तथा नब्कोनेस कंपनी द्वारा "भारत से कृषि निर्यात: उत्पाद एवं निर्यात के मौके" विषय पर एक दिवसीय कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र चौकमाफी पीपीगंज में किया गया।

❖ केंद्र के मृदा विशेषज्ञ डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय एवं उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव द्वारा दिनांक- 29/06/2022 को मंडलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी- 2022 (गोरखपुर, बस्ती व आजमगढ़) में प्रतिभाग किया गया।

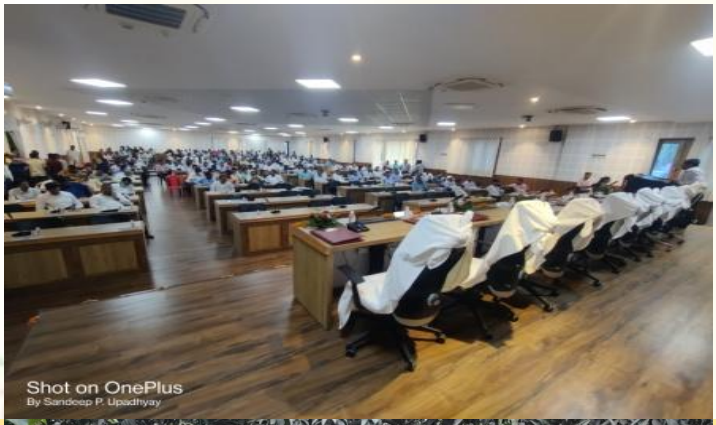

❖ केंद्र के उद्यान विशेषज्ञ डॉ. अजीत कुमार श्रीवास्तव द्वारा दिनांक- 21/06/2022 को ग्राम बेलघाट बुगुर्ग ब्लाक भरोहिया में "आय दोगुनी करने हेतु केला फसल के साथ सब्जियों की सहफसली खेती" विषय पर प्रशिक्षण का आयोजन गया ।

जुलाई माह के मुख्य खेती-बाड़ी के कार्य

फसलोत्पादन एवं प्रबंधन

धान :-

❖ धान की रोपाई इस माह समाप्त कर लें. रोपाई के लिए २०-३० दिन पुरानी पौध प्रयोग करें तथा बुवाई लाइनों में करें।

मूंगफली :-

❖ बुवाई माह के मध्य तक पूरी कर लें. औसतन प्रति हैक्टेयर ८०-१००किलो बीज की आवश्यकता पड़ती है।

अरहर :-

❖ अरहर की उन्नत किस्मों तथा नरेन्द्र अरहर 2, IPA 203 की बुवाई करें। अरहर के लिए बीजदर 12-15 किग्रा. / हैक्टेयर रखें।

मृदा विज्ञान

❖ धान में यदि हरी खाद का प्रयोग करना हो तो रोपाई के तीन दिन पूर्व ही उसे मिटटी पलटने वाले हल से पलटकर, सड़ने के लिए खेत में पानी भर दें।

❖ भूमि में पोषक तत्वों की कमी जानने के लिए मृदा परीक्षण करवा ले तथा भूमि में उर्वरकों का प्रयोग मृदा परीक्षण के आधार पर करे।

- धान की रोपाई से पूर्व 25 किग्रा प्रति हेक्टेयर की दर से जिंक सल्फेट खेत में मिला दें, परन्तु ध्यान रहे कि फॉस्फोरस वाले उर्वरक के साथ जिंक सल्फेट कभी न मिलायें।
- कद्दूवर्गीय सब्जियों में बोवाई के लगभग 25-30 दिन बाद पौधों के बढवार के समय प्रति हेक्टेयर 15-20 किग्रा नाइट्रोजन की टॉप ड्रेसिंग करें।

मौनपालन

- प्रक्षेत्र का चयन कर ,मौनवंशों का समय से माईग्रेशन करें।
- मौनगृह के तलपट पर सम्बंधित उपकरणों को पोटैशियम परमैगनेट/ लाल दवा से एक बार धुलाई करें।
- माइट के प्रकोप से बचने के लिए मौनगृह के तलपट की समय-समय पर सफाई करते रहें।
- अत्यधिक पुराने एवं काले पड़ चुके छत्तों को नष्ट कर दें तथा उनकी प्रतिपूर्ति मोमी छात्ताधर लगाकर नए छत्तों का निर्माण कराकर कर लिया जाए ताकि मौनवंशों की गुणवत्ता प्रभावित न हो।
- गतवर्ष की अधिक शहद उत्पादन करने वाले सशक्त मौनवंशों को मात्र मौनवंश की श्रेणी में रखते हुए इनसे मौनवंशों का संवर्धन सुनिश्चित किया जाए।

पशुपालन

- गलाघोंटू तथा लंगड़िया बुखार का टीका जिन पशुओं को नहीं लगा है उन्हें लगवायें।
- पशुओं को अन्तः कृमि की दवा दें।
- वर्षा ऋतु में पशुओं के रहने की उचित व्यवस्था करें।
- ब्रायलर पालन करें, आर्थिक आय बढ़ायें।
- पशु दुहान के समय खाने को चारा डाल दें।
- पशुओं को खनिज लवण का सेवन करायें।
- कृत्रिम गर्भाधान अपनायें।
- खान-पान में शुध्दता का विशेष ध्यान रखें।

सब्जी उत्पादन

- बैगन, मिर्च, अगेती फूलगोभी की पौध बोने का समय है।
- भिन्डी, लौकी, खीरा, नेनुआ, करेली व टिन्डा की बोआई के लिए उपयुक्त समय है।

फलोत्पादन

- नए बाग के रोपण हेतु प्रति गड्ढा 30-40 किलो ग्राम सड़ी गोबर की खाद, एक किलो ग्राम नीम की खली तथा आधी गड्ढा से निकली मिट्टी मिलकर भरे। गड्डे को जमींन से 15-20 सेमी. उचाई तक भरना चाहिए।
- फलों की भण्डारण छमता बढाने हेतु तुड़ाई पूर्व चौसा किस्म तथा अन्य देर से पकने वाली किस्मो के लिए 10 दिनों के अंतराल पर तीन छिडकाव डाईहाइड्रेटेड कैल्सियम क्लोराइड 221 ग्राम प्रति 10 लीटर पानी का करना चाहिए।

- ❖ लीची के बागो की आवश्यकतानुसार फल तुड़ाई के पश्चात डालो की छटाई करे।
- ❖ यदि नीबू में फल फटने की समस्या हो तो पोटैशियम सल्फेट के 4 प्रतिशत घोल का छिडकाव करे।
- ❖ पपीते के बाग की साफ सफाई करे तथा फावड़े द्वारा गुड़ाई भी करे।

फूलो की खेती

- ❖ गर्मी वाले मौसमी फूलो जैसे पोर्चुलाका, जीनिया, सुन्फ्लोवर, कोचिया, नारंगी, गोमफ्रिना आदि के पौधों की आवशयकातानुसार सिचाई करें।
- ❖ गुलाब, रजनीगंधा, देशी गुलाब, बेला, लिली एवं गेंदा में समय – समय पर निराई व गुड़ाई एवं खेत में नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करते रहें।

संपर्क सूत्र			
नाम	**पद**	**विषय**	**मो.नं.**
डा0 विवेक प्रताप सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	पशुपालन	**07651922058**
डा0 अजीत कुमार श्रीवास्तव	विषय वस्तु विशेषज्ञ	उद्यान	**08787264166**
डा0 संदीप प्रकाश उपाध्याय	विषय वस्तु विशेषज्ञ	मृदा विज्ञान	**09621437547**
श्री अवनीश कुमार सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	सस्य विज्ञान	**09792099943**
श्रीमती श्वेता सिंह	विषय वस्तु विशेषज्ञ	गृह विज्ञान	**09453158193**

।। कृषिमूलम् जगत् सर्वम् ।।
बौक माफी (पीपीगंज), नंगल कौडिया, गोरखपुर, उ. प्र.